Adoption of CCS Rules, 1993 by KVS

- 641. SHRI MISA R. GANE-SAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:
- (a) whether it is a fact that CCS (Recognition of Service Association) Rules, 1993 promulgated by the Union Government in November, 1993 have not yet been adopted by Kendriya Vidyalaya Sangathan;
 - (b) if so, reasons for the delay;
- (c) whether adoption of Rules has been included in the agenda of the forthcoming meeting of Kendriya Widayalaya Sangathan Board of Governors; and
- (d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) and (b) The CCS (Recognition of Service Association) Rules, 1993 are yet to be adopted by Kendriya Vidyalaya Sangathan with the approval of its Board of Governors.

(c) and (d) The 58th meeting of the Board of Governors of Kendriya Vidyalaya Sangathan is yet to be fixed.

भामा मस्मिद से आमदनी ग्रौर उसका रख-रखाव

- 642. प्रो. विजय कुमार मस्होताः क्या मानव संवाधन विकास मंत्री यह बताने की हुना करेंगे कि:
- (क) क्या दिल्ली की जामा मस्जिद एक संरक्षित स्मारक है;
- (ख) सरकार ने पिछले पांच वर्षों में इसकी मरम्मत और रख-रखाद पर कितना धन खर्च किया है;

(ग) पिछले पांच वर्षों में पर्यंतटकों को प्रवेश टिकटों की बिकी से कितनी धनराशि एकत हुई है;

to Questions.

- (घ) इस प्रकार से एकतित धन राशि सरकार को प्राप्त हुई अथवा कियी व्यक्ति विशेष को ; और
- (ङ) यदि यह राशि किसी ब्यंक्ति विशेष द्वारा प्राप्त की गहें है तो इसके क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रासव (शिक्षा विभाग तथा संस्कृति विभाग) में उपमंत्रो (कुमारी शेंलजा) : (क) जी, नहीं।

(ख) पिछले पांच वर्षों के दौरानः जाना मस्जिद की मुख्य मरस्मतों पर खर्च की गई राशि का ब्यौरा इस प्रकार है:--

	रूपये
1989-90	32,118.00
1990-91	4,57,605.00
1991-92	14,64,924.00
1992-93	20,30,550.00
1993-94	20,16,092.00

- (ग) जामा मस्जिद का प्रबंध और रखरखाव सुन्ती मजलिस वक्फ द्वारा दिया जाता है, इसलिये सरकार को इस स्मारक में प्रवेश-शुल्क के रूप में एकज की गई धनराशि की जानकारी नहीं है।
- (घ) एकत्रित धनराशि वृक्क के वास जाती है।
 - (ङ) प्रश्ने महीं उठता ।